



## श्रीलक्ष्मी चंद्रलांबा अष्टोत्तरशत नामस्तोत्र

- चंद्रलांबा महामाया शांभवी शंखधारिणी ॥  
आनंदी परमानंद कालरात्री कपालिनी ॥ (१)
- कामाक्षी वत्सला प्रेमा काश्मिरी कामरूपिणी ॥  
कौमोदकी कौलहंत्री शंकरी भुवनेश्वरी (२)
- खहस्ता शूलधरा गायत्री गरुडासना ॥  
चामुंडा मुंडमथना चंडिका चक्रधारिणी ॥ (३)
- जयरूपा जगन्नाथा ज्योतिरूपा चतुर्भुजा ॥  
जयनी जीविनी जीवजीवना जयवर्धिनी ॥ (४)
- तापघ्नी त्रिगुणात्धात्री तापत्रय निवारिणी ॥  
दानवांतकरी दुर्गा दीनरक्षा दयापरी ॥ (५)
- धर्मत्धात्री धर्मरूपा धनधान्यविवर्धिनी ॥  
नारायणी नरसिंही नागकन्या नगेश्वरी ॥ (६)
- निर्विकल्पा निराधारी निर्गुणा गुणवर्धिनी ॥  
पद्महस्ता पद्मनेत्री पद्मा पद्मविभूशिणी ॥ (७)
- भवानी परमैश्वर्या पुण्यदा पापहारिणी ॥  
भ्रमरी भ्रमरांबा च भीमरूपा भयप्रदा ॥ (८)
- भाग्योदयकरी भद्रा भवानी भक्तवत्सला ॥  
महादेवी महाकाली महामूर्तिर्महानिधी ॥ (९)
- मेदिनी मोदरूपा च मुक्ताहार विभूषणा ॥  
मंत्ररूपा महावीरा योगिनी योगधारिणी ॥ (१०)
- रमा रामेश्वरी ब्राह्मी रुद्राणी रुद्ररूपिणी ॥  
राजलक्ष्मी राजभूषा राज्ञी राजसुपूजिता ॥ (११)



लक्ष्मी पद्मावती चांबा ब्राह्मणी ब्रह्मधारिणी ॥

विशालाक्षी भद्रकाली पार्वती वरदायनी ॥ (१२)

सगुणा निश्चला नित्या नागभूषा त्रिलोचनी ॥

हेगरूपा सुंदरी च सन्नतीक्षेत्रवासिनी ॥ (१३)

ज्ञानदात्री ज्ञानरूपा रजोदारिद्र्यनाशिनी ॥

अष्टोत्तरशत दिव्यं चंद्रलाप्रीतिदायकं ॥ (१४)

॥ इति श्रीमार्कंडेयपुराणे सन्नतिक्षेत्रमहात्मे श्रीचंद्रला अष्टोत्तरशतनामस्तोत्रं संपूर्णम् ॥